मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 27 मार्च 2017

जेएमआई में सामाजिक विज्ञान में परिमाणात्मक दृष्टिकोण पर कोर्स

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में ग्लोबल इनिशटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क :ज्ञानः के तहत आज ''क्वान्टिटेटिव अप्रोच इन सोशल साइंसेज़'' विषय पर एक अल्पकालिक कोर्स शुरू हुआ।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के 'ज्ञान' कार्यक्रम के तहत जेएमआई द्वारा आयोजित इस कोर्स के प्रमुख आस्ट्रिया के वियना विश्वविद्यालय के प्रो हाजो जी बूमगार्डन हैं। वह इस विषय के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ हैं।

ज्ञान के तहत देश के अनेक विश्वविद्यालयों में ऐसे अल्पकालिक कोर्स चलाए जाते हैं जिसके लिए किसी विदेशी विशेषज्ञ को बुलाया जाता है। ज्ञान के तहत जेएमाई अब तक 24 कोर्स कर चुका है जो भारत में दूसरे नंबर पर है। यह कोर्स 27 से 31 मार्च तक चलेगा जिसमें जेएमआई के ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र हिस्सा ले रहे हैं।

इस कोर्स के उद्घाटन समारोह में जेएमआई के वाइस चांसलर प्रो तलत अहमद ने अपने अघ्यक्षीय संबोधन में कहा कि यह जेएमआई और देश के अन्य शैक्षिक संस्थानों से आए छात्रों के लिए अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ प्रो बूमगार्डन के ज्ञान का लाभ उठाने का बहुत अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा कि साइंस में

क्वान्टिटेटिव अप्रोच एक आम बात है लेकिन सोशल साइंसेज में ऐसे अवसर कम ही मिलते हैं।

प्रो तलत ने कहा कि सोशल साइंस में क्वान्टिटेटिव अप्रोच से चीज़ों का विशलेषण आसान नहीं है और छात्रों को इस नज़रिए से सोशल साइंस को समझने और डाटा तैयार करने के सीखने के इस मौके का भरपूर फायदा उठाना चाहिए।

प्रो बूमगार्डन ने कहा कि वह इस अल्पकालिक कोर्स के लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि वह इस दौरान सोशल साइंस में क्वान्टिटेटिव डाटा कलेक्शन के अलावा सर्वे रिसर्च , विषय विशलेषण एवं प्रयोग पर खास ज़ोर देंगे। इस कोर्स के तहत उनके कुल 14 लेक्चर होंगे।

इस पांच दिवसीय कोर्स का आयोजन जेएमआई के सेंटर फॉर कल्चर, मीडिया एंड गर्वनेंस :सीसीएमजीः ने किया है और इसके कोआर्डिनेटर प्रो साईमा सईद और डा तबरेज़ अहमद नियाज़ी हैं।

जेएमआई के 'ज्ञान' कोऑर्डनैटर मुहम्मद अमान जयराजपुरी ने कहा कि 'ज्ञान' के तहत हालांकि अल्पकालिक कोर्स होते हैं लेकिन वास्तव में यह ऐसे कोर्सो में हिस्सा लेने वाले विदेश के अध्यापकों और देश के छात्रों के बीच दीर्घकालिक रिश्ते बनाता है। कोर्स के खत्म होने के साथ ही ये रिश्ते खत्म नहीं हो जाते बल्कि, छात्र बाद में भी विदेश से आए अध्यापकों से सलाह मश्विरा कायम रख सकते है।

इस कोर्स के उद्घाटन सत्र में जेएमआई के विभिन्न विभागों के अध्यापक और छात्र उपस्थित थे। इनमें जेएमआई के डायरेक्टर रिसर्च डा सुशांत घोष, एजेके एमसीआरसी के डायरेक्टर प्रो इफ्तेखार अहमद, आर्ट हिस्टरी एंड आर्ट अप्रीशिऐशन

विभाग की प्रो नुज़हत काज़मी और जेएमआई लाइब्रेरी के प्रमुख लाइब्रेरियन डा एच जे आबिदी शामिल हैं।

साईमा सईद

डेप्यूटी मीडिया कोऑर्डनैटर

font: Kruti Dev 010